PAGE No.
DATE: / /

January Month Portions:

कविता - झाँसी की रानी (1-8 lines)

पाठ - प्रकृति और मनुष्य

पाठ - विराम चिह्न

अनुच्छेद - आदर्श विद्यार्थी Pg No - 177 (grammar)

शब्द भण्डार - श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द 16-30 Pg No - 454

मुहावरे 11-20 Pg No - 163

लोकोक्ति 11-20 Pg No - 166

एकार्थक प्रतीत होनेवाले शब्द 6-10 Pg No - 53

Scanned with OKEN Scanner

कविता - झाँसी की रानी

कंठस्थ कविता 1-8 lines

I मौखिक प्रश्नोत्तर :-

क) इस कविता को 'सुभद्रा कुमारी चौहान' ने लिखा है।

ख) झाँसी की रानी का नाम 'लक्ष्मीबाई' था।

लिखित अभ्यास

1. क) समाधि में ख) ज्वाला-सी ग) बुंदेलों हरबोलों से

घ) क्षुद्र जंतु

2. क) लघु समाधि

ख) लीलास्थली

ग) स्मृतिशाला

घ) निशीथ , क्षुद्र जन्तु

ङ) स्नेह , श्रद्धा

च) मूल्यवती, सोने से

3. क) झाँसी की रानी को 'मर्दानी' इसलिए कहा गया है, क्योंकि वह मर्दों की तरह रणभूमि में लड़ी थी और उनमें मर्दानगी के सारे गुण विद्यमान थे।

Scanned with OKEN Scanner

ख) कवयित्री को झाँसी की रानी की समाधि रानी से भी अधिक प्रिय इसलिए थी, क्योंकि इसमें उस वीरांगना की वे स्मृतियाँ छिपी हुई है, जो देशभक्ति और त्याग बलिदान की प्रेरणा देती है।

ग) रानी लक्ष्मीबाई के जीवन को अपने विजयमाला के समान बताया है। जैसे कोई माला टूटकर बिखर जाती है, उसी प्रकार इस वीरांगना ने जो बलिदान दिया था, वह बिखरकर इस समाधि में समाया हुआ है

घ) कवयित्री रानी लक्ष्मीबाई के जीवन की यादों के महत्व को बतलाती है कि जिस प्रकार सोने की भस्म मूल सोने से अधिक महत्वपूर्ण होती है उसी प्रकार रानी की समाधि भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रेरणा का स्रोत है।

ग) 'हरबोले' बुंदेलखण्ड की एक जाति है। इस जाति के लोग राजा-महाराजाओं के यश का गुणगान करते है। कवयित्री ने उनका वर्णन इस कविता में इसलिए किया है क्योंकि लोगों ने उनके मुख से ही झाँसी की रानी

के जीवन, वीरता एवं बलिदान की गाथा सुनी थी

शब्द ज्ञान

क) समाधि ख) चिनगारी

ग) आहुति घ) निशीथ

व्याकरण :

क) ठीक, बढ़िया

ख) सरिता, तरिणी

ग) अजित, अपराजेय

घ) गुस्सा

ङ) अभिमान, दर्प

च) पर्वत, नग

पाठ - प्रकृति और मनुष्य

मौखिक उत्तर

क) प्रकृति और मनुष्य में से प्रकृति पहले विकसित हुई थी।

ख) पहाड़ियाँ इसलिए बदसूरत लगने लगती हैं, क्योंकि उनकी हरियाली छीनी जा चुकी है।

ग) मनुष्य प्रकृति पर विजय पाने के नए-नए तरीके ढूँढ़ रहा है जिन्हें वह अपनी विजय-गाथा मानकर प्रसन्न हो रहा है।

घ) राजस्थान और उत्तराखण्ड में 'चिपको आन्दोलन' प्रचलित हुआ था।

लिखित अभ्यास

क) पुत्र ख) पेड़ों को ग) मनुष्य

घ) रुकावट ङ) मौसम में बदलाव होगा।

2. क) जन्म-मरण, प्रकृति

ख) अर्थव्यवस्था, दैनिक आवश्यकताओं

ग) वन, जंगलों

घ) चिपको

3. क) मनुष्य को प्रकृति का पुत्र इसलिए कहा गया है क्योंकि प्रकृति पहले से ही थी और मनुष्य बाद में आया। मनुष्य का जन्म - मरण और युवावस्था आदि स्थितियाँ प्रकृति पर निर्भर है। मनुष्य का पालन - पोषण प्रकृति के द्वारा होता है।

ख) मनुष्य ने प्रकृति के विनाश के साधन विजय और प्रशस्ति का जो रास्ता अपनाया है, वास्तव में वह पराजय और दुर्गति का रास्ता है। मनुष्य नये - नये अनुसंधान करके प्रकृति पर विजय पाने को अपनी विजय कहकर प्रसन्न हो रहा है, वास्तव में वह उसकी पराजय की गाथा है।

ग) जंगलों को काटने से मौसम चक्र बदल रहा है, बाढ़ों को बढ़ावा मिल रहा है और भूमि सुरक्षित नहीं रह गई है।

Scanned with OKEN Scanner

घ) सभी लोगों ने अपनी ज़रूरतें और दैनिक आवश्यकताएँ इतनी बढ़ा ली हैं कि वे वन सम्पत्ति को खत्म करते जा रहे हैं। पेड़ों को काटने से आमदनी होती है। कीमतें और ज़रूरतें बढ़ जाने के कारण वह पेड़ काटकर अपनी सम्पत्ति बढ़ा लेना चाहता है।

ङ) हरियाली छिन जाने के कारण पहाड़ियाँ कुरूप होती जा रही हैं। मनुष्य को जागरूक होकर यह कोशिश करनी चाहिए कि प्रकृति को न छेड़े, उन्हें नुकसान न पहुँचाएँ, नहीं तो वह स्वयं ही उसका नुकसान भोगेगा।

शब्द ज्ञान:

वचन बदलिए:

क) तिथियाँ

ख) सखियाँ

ग) आँखें

घ) रातें

ङ) कीड़े

च) हीरे

छ) सड़कें

ज) घंटियाँ

झ) लुटियाँ

ञ) बुढ़ियाँ

ट) कविताएँ

ठ) महिलाएँ

ड) केले

ढ) सड़कें

ण) अध्यापिकाएँ

थ) सीतियाँ

द) शाखियाँ

न) शीशे

पाठ - विराम चिह्न

1. क) विराम का शाब्दिक अर्थ रुकना है।

ख) भाषा की भिन्न-भिन्न स्थितियों को प्रकट करने के लिए कुछ चिह्नों का प्रयोग करते हैं उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।

ग) विराम चिह्न बारह प्रकार के होते हैं।

1) पूर्ण विराम (full stop) (।)
2) अल्पविराम (comma) (,)
3) अर्द्धविराम (semi colon) (;)
4) प्रश्न सूचक (question mark) (?)
5) विस्मयादि बोधक (exclamation mark) (!)
6) उद्धारण चिह्न (inverted comma) (' ', " ")
7) कोष्ठक (brackets) ( )
8) योजक (hyphen) (-)
9) त्रुटिपूर्वक या हंसपद चिह्न (insertion mark) (^)
10) लाघव चिह्न (abbreviation) (०)
11) विवरण चिह्न (colon and hyphen) (:-)
12) निर्देशक चिह्न (dash) (—)

Scanned with OKEN Scanner

PAGE No.
DATE: / /

लिखना :

1. क) वह बोला, "तुम कब आओगे ?"

ख) रमेश, सुरेश निरन्तर पढ़ेंगे तो सफलता प्राप्त करेंगे।

ग) चाणक्य ने कहा, "समाज और राष्ट्र की रक्षा का आधार राजनीति है"।

Scanned with OKEN Scanner